राम सिया राम सिया राम जय जय राम मंगल भवन अमंगल हारी

राम सिया राम सिया राम
जय जय राम,

मंगल भवन अमंगल हारी
द्रवहु सुदसरथ अवर बिहारी
राम सिया राम सिया राम.....

दीन दयाल बिरिटु संभारी
हरो नाथ मम संकट भारी,
राम सिया राम सिया राम.....

होइहे वही जो राम रचि राखा,
को करे तरफ़ बढ़ाए साखा,
राम सिया राम सिया राम.....

जाकी रही भावना जैसी,
प्रभु मूरति देखी तिन तैसी
राम सिया राम सिया राम.....

जा पर किरपा राय की होई,
ता पर किरपा सबकी होई,
राम सिया राम सिया राम.....